

जन्मदिन के बहाने चूत चुदाई

“मैं शहर में किराये के कमरे में रहकर पढ़ता था. मेरे साथ वाले कमरे में एक सीनियर लड़की रहने लगी. वो पूरी माल थी. मैंने उसे कैसे पटा कर चोदा या उसने कैसे मुझे चुदाई के लिए पटाया ? ...”

Story By: (Akshay12)

Posted: Sunday, October 28th, 2018

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [जन्मदिन के बहाने चूत चुदाई](#)

जन्मदिन के बहाने चूत चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम अक्षय है और मैं हैदराबाद का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 23 साल है और मैं अभी अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी हाइट 6 फीट है और वज़न 72 किलो है. रनिंग और कसरत करने से मेरा शरीर बिल्कुल फिट है. बाकी मैं अपने लंड के बारे में में क्या बताऊं, जिसने लिया है, वही जानती है. अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली सेक्स स्टोरी है, जो मेरे साथ कुछ महीने पहले घटी थी.

हुआ ये कि मैं पढ़ाई के सिलसिले में शहर में रहता था, तो मैं शहर में एक रूम भाड़े पर लेकर रहता था. कुछ दिन तो ठीक से कट गए, पर कहते हैं ना कि शहर की हवा लगने में देर नहीं लगती. मेरे साथ भी यही हुआ, कुछ दिन बाद मेरी किस्मत चमकी और मेरे रूम के बगल में एक मेरे से सीनियर लड़की रहने के लिए आ गयी.

उस लड़की का नाम पूजा था, वो अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रही थी. उसके बारे में क्या बताना दोस्तो... लगता था कि ऊपर वाले ने उसे बड़ी ही तसल्ली से बनाया था. उसकी झील सी आंखें, पतली कमर, बड़े बड़े चूतड़, जब चलती तो ऐसे मटकती कि जान ही ले ले. ऊपर की तरफ देखिए तो बड़े ही आकर्षक बूब्स ... जिन्हें देखकर तो उन्हें खा जाने का मन करता. उस पर उसके लंबे बाल.. उफ्फ पूरी माल लगती थी. अगर ऐसी हॉट लड़की को देखकर भी कोई अपने लंड को खड़ा ना कर सके, तो वो किस मर्द कहलाने लायक ही नहीं है.

कुछ दिन तक मैं उसे सिर्फ छुप छुप कर ही देखता था, कभी हिम्मत ही नहीं हुई कि उससे सीधी नजर मिला लूँ.

पर कुछ दिन बाद हम आपस में पढ़ाई के बारे में बातचीत करने लगे, इसके बाद धीरे धीरे हम दोनों आपस में अच्छे से घुल मिल गए. कभी मैं उसके रूम पर जाता, तो कभी वो मेरे

रूम पर आती थी. मगर मुझे तो उसको चोदने की लग रही थी. इसलिए मैंने एक प्लान बनाया, मेरे पास उसका मोबाइल नंबर था.

मैंने दिमाग लगाया और एक नए सिम कार्ड से उस नम्बर से व्हाट्सअप शुरू किया और उसे हाय कहकर भेजा.

फिर मैं सो गया, जब मैं अगली सुबह जागा, तो देखा कि उसका रिप्लाई आया था. वो मुझसे पूछ रही थी कि तुम कौन हो ?

मैंने कहा कि तुम्हारा दोस्त.

फिर उसने मेरे बारे में जानने के लिए दो तीन दोस्तों के नाम से पूछा.

मैंने कहा कि मैं इनमें से नहीं हूँ.

तो उसने लिखा कि तो तुम कौन हो और मुझसे क्या चाहते हो ?

मैंने लिखा- मैं तुम्हारा दोस्त बनना चाहता हूँ.

उसने कहा- क्यों ?

मैंने बताया- मेरी कोई भी गर्लफ्रेंड नहीं है.

उसने पूछा- गर्लफ्रेंड बना कर उसका क्या करोगे ?

मैंने कहा- कुछ तो करूँगा.. आप पहले दोस्त तो बनिए.

फिर उसने मुझे अपना फ्रेंड बना लिया. हम रोज़ बातें करने लगे. धीरे धीरे वो मुझसे सेक्स की बातें करने लगी.

इस तरह की बातों से जब वो गर्म हो जाती तो कहती कि मुझे चुदवाने का मन कर रहा है.

तो मैंने कहा कि मैं तो आ नहीं सकता.. तुम हाथ से शांत हो जाओ.

उसने बताया कि आज तक वो सिर्फ हाथ से ही करती आ रही थी, पर अब उसे मर्द का लंड चाहिए.

कुछ दिन बाद वो मिलने की ज़िद करने लगी तो मैंने कहा- मिलकर क्या करोगी ?

उसने कहा कि और क्या करना है.. उस काम के सिवा ?

तो मैंने कहा- अगर उतना मन कर रहा है तो एक आईडिया बता सकता हूँ.

उसने कहा- हां बताओ.

मैंने कहा कि अगर तुम्हारे घर के अगल बगल कोई है, जो तुम्हें चोदने के चक्कर में हो.. तो उससे चुदवा लो इस तरह तुम्हारा काम बन सकता है.

वो कहने लगी- ये कैसे हो सकता है.. मैं कैसे जानूंगी कि कोई पड़ोस वाला मुझे चोदना चाहता है.

मैंने लिखा- ये तेरे लिए क्या बड़ी बात है.. जो भी तुझे पसंद हो उसे अपने रूप के जलवे दिखा कर फांस ले. बस फिर उसको चोदने की बात कर और चूत खोल दे.

वो बोली- मैं किसको पटाऊं, मेरी समझ में ही नहीं आ रहा है ?

मैंने कहा- तेरे साथ कोई लड़का नहीं पढ़ता.. उसी पर जादू चला दे.

उसने मेरा ही नाम लेकर कहा- हां है तो एक घोंचू.. साला लगता तो है कि मुझे चोदने के चक्कर में है लेकिन उसने कभी मुझसे कहा नहीं है.

मैंने लिखा- वो शायद डरता होगा. उसको अपने दूध दिखा और उसर सेक्सी बात कर.. हो सकता है कि वो मान जाए और तेरी आग बुझा दे.

उसके दिमाग में घुस गया और वो चहकने की स्माइली भेजी और लिखा- ठीक है.. उसको अब देखती हूँ.

अगले दिन से ही वो मेरे साथ अलग सा बर्ताव कर रही थी, जब वो चलती तो गांड ज्यादा ही मटकाने लगती और आज तो टॉप भी ढीला और गहरे गले का पहना हुआ था. उस टॉप को पहनकर वो मुझे झुक झुक कर अपने मम्मे दिखा रही थी. मैंने भी सोच रखा कि उसे तड़पाकर ही चोदूंगा.

फिर दूसरे दिन उसने मुझे अपने घर पर शाम को सात बजे बुलाया और बताया कि आज उसका बर्थडे है.

मैंने उसे विश किया और कहा कि तुमने बताया ही नहीं मैं गिफ्ट लेकर आता. चलो मैं अभी आता हूँ.

मैं गिफ्ट लेने की कह कर जा ही रहा था कि उसने रोकते हुए आँख मारते हुए कहा- रुको यार, गिफ्ट भी ले लूँगी.. पर अभी मेरी सुनो.. आज रात का खाना तुम मेरे साथ ही खाना. मैंने भी मुस्कुरा कर ओके कहा और उसके घर से चला गया.

आठ बजे रात को मैं अच्छे से सज कर पफ़रूम लगा कर अपने साथ कंडोम लेकर उसके घर चला गया.

उसने केक काटा और मुझे खिलाया, मैंने उसको खिलाया. फिर मैंने उसे बताया कि इतने कम समय में मैं तो तुम्हारे लिए कोई गिफ्ट ही नहीं ला सका.

तब उसने बोला- कोई बात नहीं, पर गिफ्ट तो तुम अभी भी मुझे दे सकते हो.

मैंने पूछा- मैं क्या दे सकता हूँ ?

उसने कहा- आज मैं जो मांगूँगी, दोगे ?

मैंने कहा- मांग कर देखो.. मैं पक्का दे दूँगा.

उसने मुझे सीधे कह डाला- मैं आज औरत बनना चाहती हूँ, क्या तुम मुझे औरत बना सकते हो.

इतना सुनते ही मैं उस पर टूट पड़ा और उसको जोर से किस करने लगा. वो भी मुझसे लिपट गई और हम लोग दस मिनट तक तो एक दूसरे को टटोलते रहे. फिर मैं उसको उठाकर बिस्तर पर ले आया और किस करते हुए मैंने उसकी टॉप ब्रा और स्कर्ट उतार दी. वो अब सिर्फ पैटी में थी. क्या मस्त कांटा माल लग रही थी. उसके बड़े बड़े मम्मों पर गुलाबी निप्पल मुझे बुला रहे थे कि आओ और हमको चूस लो.

मैं अगले ही पल उसके मम्मों पर टूट पड़ा और चूसने लगा. मैं एक हाथ उसकी पैंटी में डालकर उसकी चूत मसलने लगा. वो भी मेरा लंड मसलने लगी. फिर मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए और अपना लंड उसके हाथ में दिया. साथ ही मैंने उसकी पैंटी भी उतार फेंकी.

अब वो और मैं बिल्कुल नंगे थे, मैं उसकी दोनों टांगों के बीच बैठकर उसकी चूत को चाटने लगा. इससे वो बहुत ज्यादा उत्तेजित हो गयी. 'आआआ उफ़फ़फ़ उम्मह... अहह... हय... याह... अमा उफ़फ़ हआ..' ऐसे करते हुए मेरा सिर उसके चूत पर रगड़ने लगी और कहने लगी- चाटो आज ऐसे चाट चाट कर खा जाओ. वो मेरे मुँह में ही झड़ गयी और ढीली हो गयी.

इसके बाद मैंने अपना लंड उसके मुँह में दे दिया और वो मेरा लंड का टोपा चूमने लगी. थोड़ी देर बाद वो मेरा लंड जोर जोर से चूसने लगी, इससे मेरा पानी निकल गया. अब हम दोनों थोड़ी देर के लिए शान्त हो गए और एक दूसरे से खेलते हुए धीरे धीरे 69 पोजीशन में आ गए. कुछ पल की चुसाई के बाद मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया था.

अब मैंने उसे सीधा लिटाकर उसके नीचे तकिया लगा दिया और अपना लंड उसकी चूत पर रगड़ने लगा.

मैंने कहा- डार्लिंग पेल रहा हूँ.. क्या तुम तैयार हो ?

इससे वो और तड़पने लगी और कहने लगी- चाहे आज जो हो जाए.. तुम रुकना मत.. मैं कितनी भी चिल्लाऊं तुम रुकना मत.

मेरे सामने एक कली फूल बनने को तैयार थी. मैंने अपना लंड का दबाव हल्के से डाला और एक जोर का झटका दे मारा. इस झटके से मेरा लंड उसकी चूत के अन्दर घुस गया. उसकी झिल्ली फट चुकी थी और उसकी चुत में से हल्का सा खून आ रहा था. वो बड़ी मुश्किल से अपना दर्द छुपा रही थी. मैं भी यूँ ही रुका रहा.

थोड़ी देर बाद उसने कमर हिलाकर साथ देना शुरू किया और अब मैं भी शुरू हो गया. उसे जोर जोर से चोदने लगा. थोड़ी देर बाद मैंने उसे कुतिया बना कर भी चोदा.

फिर कुछ देर बाद मैं उसके चूतड़ों पर अपना पानी निकालकर शांत हुआ.

उसने मेरे साथ चुदाई को बहुत एन्जॉय किया. उस रात हमने दो बार और सेक्स किया और कुछ हफ्तों बाद मैंने उसकी गांड भी मारी.

बाद में जब उसको मेरे बारे में पता चल गया कि मैंने ही उस से व्हाट्सएप पर बात की थी, तो उसने बताया कि वो उसका बेस्ट बर्थडे गिफ्ट था.

इसके बाद हम जब तक साथ रहे, वो मुझसे खूब चुदवाती रही. फिर वो चली गयी, पर अभी भी कॉल करके फोन सेक्स से अपनी प्यास बुझवा लेती है.

दोस्तो, मुझे रिप्लाई देकर बताएं कि मेरी इस हिंदी सेक्स स्टोरी के बारे में आपको क्या लगा.

akp961367@gmail.com

